सत्यमेव जयते
भारत सरकार
राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
GOVERNMENT OF INDIA
NATIONAL COMMISSION FOR SCHEDULED TRIBES

File No. Tour Programme/VC/Jhandewalan/2017/RU-III

6th floor, B Wing Loknayak Bhawan,
Khan Market,
New Delhi-110003
Dated: 20th December, 2017

To,

1. Secretary,
Ministry of Tribal Affairs,
Govt. of India,
Shastri Bhawan,
New Delhi-110011

2. Principal Secretary,
Tribal Development Madhya Pradesh,
Govt. of Madhya Pradesh,
Room No. 111, Mantralaya,
Vallabh Bhawan, Bhopal (MP)

Sub: Tour Report of Miss Anusuiya Uikey, Hon'ble Vice-Chairperson, National Commission for Scheduled Tribes (NCST) to Jhandewalan(Delhi) on 29-11-2017.

Sir,

I am directed to enclose herewith copy of tour report of Miss Anusuiya Uikey, Hon'ble Vice-Chairperson, NCST to Jhandewalan(Delhi) on 29-11-2017 for compliance.

It is requested to take action on the recommendations of the Commission and submit action taken report within a months' time.

Yours faithfully,

(S. P. Meena)
Assistant Director

Copy for information and necessary action to:

1. NIC, NCST uploaded on the web site.

Tel.:011-24657271, 011-24615012, 011-24624714, Fax: 011-24604689, 011-24624191

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग, भारत सरकार

सुश्री अनुसुईया उइके, उपाध्यक्ष

का दिनांक 29 नवम्बर 2017 को दिल्ली का क्षेत्रीय दौरा।

दौरा रिपोर्ट :

दौरा करने वाले पदाधिकारी का नाम	1. सुश्री अनुसुईया उइके, उपाध्यक्ष राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग, भारत सरकार
दौरे की तिथि (दिन/माह/वर्ष)	29 नवम्बर 2017
दौरा किया गया स्थान	झंडेवालान, नई दिल्ली
मुख्य व्यक्ति / अधिकारीगण / संगठनों से मिले	1. श्री बनवारी लाल गौंड, संस्था अध्यक्ष, भारतीय आदिम जाति सेवक संघ । 2. श्री बाल विजय, उपाध्यक्ष, भारतीय आदिम जाति सेवक संघ । 3. श्रीमती इलाबेन जी, भारतीय आदिम जाति सेवक संघ । 4. पदमश्री तुलसी मुंडा जी, भारतीय आदिम जाति सेवक संघ । 5. श्री नाहर सिंह वखला, उपाध्यक्ष, भारतीय आदिम जाति सेवक संघ । 6. श्री त्रिवेणी प्रसाद, उपाध्यक्ष भारतीय आदिम जाति सेवक संघ । 7. डॉ. भूपेंद्र सिंह, भारतीय आदिम जाति सेवक संघ । 8. श्री हेम्ब्रम्ह, महामंत्री, भारतीय आदिम जाति सेवक संघ । 9. श्री राम राव महतों, भारतीय आदिम जाति सेवक संघ । 10. श्री राजेश मालवीय, सचिव, भारतीय आदिम जाति सेवक संघ । 11. श्री चौबे, भारतीय आदिम जाति सेवक संघ ।

दौरा के मुख्य बिन्दु : भारतीय आदिम जाति सेवक संघ झंडेवालान दिल्ली के द्वारा अनुसूचित जनजाति समुदाय के लोगों के समस्याओं का अवलोकन, और वस्तुस्थिति की जांच करना। भारतीय आदिम जाति सेवक संघ द्वारा आयोजित कार्यक्रम और मिलन समारोह मे मुख्य अतिथि के रूप मे भाग लिया।

(भ्रमण के दौरान चर्चा किए गए प्रमुख मुद्दे)

दिनांक 29.11.2017 बुधवार

1. **झंडेवालान दिल्ली**, भारतीय आदिम जाति सेवक संघ, ठक्कर बप्पा सदन में संस्था के जनजातीय पदाधिकारियों, प्रतिनिधियों, के साथ बैठक कर उनकी समस्याएँ सुनी, और उनके

सुश्री अनुसुईया उइके/Miss Anusulya Uikey
उपाध्यक्ष/Vice Chairperson
राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
National Commission for Scheduled Tribes
भारत सरकार/Govt. of India

कार्यस्थल और भारतीय आदिम जाति सेवक संघ, मे उनसे संबन्धित विभिन्न समस्याओं और मुद्दों पर चर्चा की।

भारतीय आदिम जाति सेवक संघ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में ठक्कर बप्पा के तस्वीर पर माला अर्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए करते हुये माननीय उपाध्यक्ष सुश्री अनुसूइया ऊईके और श्री बनवारी लाल गोंड, संस्था अध्यक्ष ।

2. भारतीय आदिम जाती सेवक संघ द्वारा ठक्कर बापा सदन के परिसर मे आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुरुआत की । इस दौरान कार्यक्रम मे उपस्थित सेवक संघ के जनजाति समूह को संबोधित करते हुये आयोग की कार्यप्रणाली, आयोग के अधिकार की विस्तार से जानकारी दी। साथ ही जनजाति समाज के अधिकारों की रक्षा, सुरक्षा, उनके विकास और सशक्तीकरण के लिए आयोग द्वारा किए गए महत्वपूर्ण प्रयासों के विषय मे जानकारी दी। उन्हे बताया गया कि भारतीय संविधान के तहत गठित इस आयोग का उद्देश्य जनजाति समाज के अधिकारों की रक्षा करना और उन्हे उत्पीड़न व अत्याचार से बचाना है। उन्हे संविधान द्वारा आयोग को प्रदत शक्तियों के विषय मे भी बताया गया।

भारतीय आदिम जाति सेवक संघ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए करते हुये माननीय उपाध्यक्ष सुश्री अनुसूइया ऊईके और श्री बनवारी लाल गोंड, संस्था अध्यक्ष ।

3. ठक्कर बापा सदन में भारतीय आदिम जाति सेवक संघ, के अधिकारियों और अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोगों की संयुक्त बैठक की। इस दौरान भारतीय आदिम जाति सेवक संघ के पदाधिकारियों ने कई वर्षों से लंबित समस्याओं के प्रति जानकारी प्रस्तुत की। उन्होने अवगत कराया कि भारतीय

सुश्री अनुसुईया उइके/Miss Anusuiya Uikey
उपाध्यक्ष/Vice Chairperson
राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
National Commission for Scheduled Tribes
भारत सरकार/Govt. of India
नई दिल्ली/New Delhi

आदिम जाति सेवक संघ की स्थापना से आज तक नियमित रूप से जनजाति वर्ग के लोगों के कल्याण हेतु काम कर रही है, यह संस्था ठक्कर बापा द्वारा स्थापित जनजातियों के कल्याण एवं उत्थान हेतु सबसे पुरानी संस्था है । साथ ही सेवक संघ के लोगों ने मुझे अवगत कराया की संस्था द्वारा मंडला जिला म.प्र. में 48 शिशु केंद्र संचालित किया जा रहा है, परन्तु 2016-17 एवं वर्तमान में 17-18 की स्वीकृति नहीं मिली है, जिससे शिशुओं के विकास में आर्थिक परेशानियाँ हो रही है, मानदेय नहीं मिलने के कारण संस्था संचालन में भी परेशानी हो रही है ।

भारतीय आदिम जाति सेवक संघ द्वारा ठक्कर बापा जयंती समारोह को संबोधित करते हुए माननीय उपाध्यक्ष सुश्री अनुसूइया ऊईके ।

भारतीय आदिम जाति सेवक संघ द्वारा ठक्कर बापा जयंती समारोह में सेवक संघ के महिलाओं से उनके क्षेत्रों के समस्याओं से अवगत होते हुए माननीय उपाध्यक्ष सुश्री अनुसूइया ऊईके ।

सुश्री अनुसुईया उइके/Miss Anusuiya Uikey
उपाध्यक्ष/Vice Chairperson
राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
National Commission for Scheduled Tribes
भारत सरकार/Govt. of India
नई दिल्ली/New Delhi

भारतीय आदिम जाति सेवक संघ द्वारा ठक्कर बापा जयंती समारोह में सेवक संघ के पदाधिकारीगण एवं अन्य प्रदेशों से आयें कार्यकर्ताओं के साथ माननीय उपाध्यक्ष सुश्री अनुसूइया ऊईके ।

4. भारतीय आदिम जाति सेवक संघ द्वारा ठक्कर बापा के 150 वीं जयंती समारोह मे मुख्य अतिथि के रूप मे भाग लिया। इस कार्यक्रम मे देश के विभिन्न जनजातीय क्षेत्रों से संबन्धित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने राज्यों के जनजातीय समस्याओं से विस्तृत अवगत कराया और मुझे बताया की सेवक संघ 99 प्रतिशत कार्य आदिवासी क्षेत्रों में कर रही है, और उन्होंने मुझे इस बात से भी अवगत कराया की केंद्र सरकार के अधीन चल रहे योजनायों का अनुदान 2 से 3 साल बाद आता है जिससे वहां के विकास में काफी देरी होती है । केंद्र सरकार द्वारा जनजातीय बच्चों के शिक्षा में सुधार हेतु जो राशि राज्य शासन को जाता है वह राशि जनजातीय क्षेत्रों में काम कर रहे संस्थानों को मिलने में करीब डेढ़ से दो साल का समय लग जाता है जिससे जनजातीय बच्चों के विकास में अवरोध उत्पन्न हो रहा है, शासन को जनजातीय बच्चों के विकास हेतु मानवीय दृष्टिकोण से समय से उनको राशि निर्गत कराने का प्रस्ताव संघ के लोगों ने मुझे दिया है, जिससे जनजतीय बच्चों का पठन पाठन सुचारू रूप से चलती रहे । पहले केंद्र सरकार द्वारा जनजातीयों के कल्याण हेतु दो योजना चलाई जा रही थी, किन्तु अभी यें योजना राज्य सरकार के अधीन कर दिया गया है (1)नेशनल शिशु कल्याण एवं (2) निराश्रित संकट ग्रस्त पुनर्वासित महिला अल्पवास योजना जिसमे राज्य शासन के तरफ से पिछले दो तिन वर्षों से इस जनजातीय योजनाओं को सुचारू रूप से राशि निर्गत नहीं करने से इस योजनाओं में कार्यरत गृह सेविकाओं को भी मानदेय नहीं मिला है जिससे कार्यरत कर्मचारियों के घर भूखों मरने की स्थिति पैदा हो गया है राशि नहीं मिलने से यह संस्था बंद होने के कगार पर भी पहुँच चुकी है, अगर यह संस्था बंद हो जाती है तो जनजातीय बच्चों एवं महिलाओं को बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है ।

भारतीय आदिम जाति सेवक संघ के पदाधिकारियों ने कई वर्षों से लंबित समस्याओं के प्रति ध्यान आकृष्ट कराते हुये उसके निराकरण की दिशा मे तत्सम्बंधी सुझाव और निर्देश दिये गए। साथ ही यह भी अवगत कराया गया की सेवक संघ द्वारा संचालित योजनाओं को सुचारू रूप से चलाने हेतु जनजातीय क्षेत्रों के स्थानीय सरकारों और अधिकारीयों के साथ बैठक कर उनके द्वारा किये जा रहे कार्यों का विवरण एवं स्थिति को सुधारने के लिए जरुरी कदम उठाया जायेगा ।

सुश्री अनुसुईया उइके

(दौरा करने वाले पदाधिकारी का हस्ताक्षर)
उपाध्यक्ष
राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग नई दिल्ली

सुश्री अनुसुईया उइके/Miss Anusulya Uikey
उपाध्यक्ष/Vice Chairperson
राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
National Commission for Scheduled Tribes
भारत सरकार/Govt. of India
नई दिल्ली/New Delhi